सतर्कता जागरूकता सप्ताह

(29 अक्टूबर 2018 से 3 नवम्बर 2018)

प्रतिवेदन

भा.कृ.अनु.प. - केन्द्रीय मात्स्यिकी शिक्षा संस्थान, मुंबई में दिनांक 29 अक्टूबर 2018 से 3 नवम्बर 2018 तक सतर्कता जागरूकता सप्ताह का आयोजन किया गया । सतर्कता जागरूकता सप्ताह का आरंभ 29 अक्टूबर 2018 को संस्थान के निदेशक / कुलपति डा. गोपाल कृष्णा द्वारा सभी वैज्ञानिकों / अधिकारियों एवं कर्मचारियों को सत्यनिष्ठा की शपथ दिलाकर किया गया । 29 अक्टूबर 2018 को ही मुंबई विश्वविद्यालय से संबंद्ध के.सी. कॉलेज, विल्सन कॉलेज एवं महर्षि दयानंद कॉलेज के विद्यार्थियों हेतु भ्रष्टाचार मिटाओ नया भारत बनाओ विषय पर भाषण प्रतियोगिता का आयोजन किया गया ।

सतर्कता जागरूकता सप्ताह के अंतर्गत निबंध,कविता लेखन, स्लोगन एवं पोस्टर प्रतियोगिताएं आयोजित की गई । ये प्रतियोगिताएं संस्थान के छात्र-छात्राओं एवं समस्त कार्मिकों के दो वर्गों में आयोजित की गई । स्कूली बच्चों के लिए पोस्टर प्रतियोगिता भी आयोजित की गई । उक्त समस्त प्रतियोगिताओं का विषय **भ्रष्टाचार मिटाओ-नया भारत बनाओ** था ।

कार्मिकों के हित संबंधी सूचना के प्रसार एवं समस्या निवारण हेतु संस्थान की वेबसाइट पर एक लिंक उपलब्ध कराई गई । इसके साथ ही विक्रेताओं हेतु ई-इन्टैग्रिटी शपथ का भी आयोजन किया गया। संस्थान के परिसर में बैनर, पोस्टर द्वारा सतर्कता जागरूकता का प्रचार किया गया ।

सतर्कता जागरूकता सप्ताह का समापन समारोह 3 नवम्बर, 2018 को आयोजित किया गया । स्वागत भाषण सतर्कता अधिकारी प्रधान वैज्ञानिक, डा. नीलम सहारन द्वारा प्रस्तुत किया गया । इस अवसर पर विभागाध्यक्ष डा. एन. के. चड्डा, डा. के. वी. राजेन्द्रन, डा. एस. एन. ओझा, प्रधान वैज्ञानिक डा. किरण दुबे रावत, वरिष्ठ वैज्ञानिक डा. आशुतोष देव, वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारी श्री महेश खुबडीकर, सहायक प्रशासनिक अधिकारी श्रीमती पूनम बहल, श्रीमती सुषमा सिंह, श्रीमती अनु ग्रोवर एवं विभागाध्यक्ष डा. एन. पी. साहू ने भी अपने विचार व्यक्त किए । इसके साथ ही डा. एस. एन. ओझा एवं डा. राजेश्वर उनियाल ने भ्रष्टाचार मिटाओ नया भारत बनाओ विषय पर स्वरचित कविता पाठ किया। सतर्कता जागरूकता सप्ताह के अंतर्गत आयोजित की गई प्रतियोगिताओं के सभी वर्गों के प्रतिभागियों को विभागाध्यक्ष डा. एन. पी. साहू के करकमलों से पुरस्कार एवं प्रमाण पत्र वितरण किया गया । कार्यक्रम का संचालन श्री देवेन्द्र कुमार धरम, सहायक निदेशक (राजभाषा) द्वारा किया गया। धन्यवाद ज्ञापन उप निदेशक (राजभाषा) डा. राजेश्वर उनियाल द्वारा प्रस्तुत किया गया ।